

**आवर्तकाल** पुं. (तत्.) 1. खगो. (i) किसी ग्रह अथवा उपग्रह द्वारा अपने मूल तारे या ग्रह के चारों ओर पूर्ण परिक्रमण करने के लिए अपेक्षित समय periodic time 2. भौ. सरल आवर्त गति में उतना समय जितना कि गतिमान कण या लोलक एक सिरे से दूसरे सिरे तक और दूसरे सिरे से फिर पहले सिरे तक पहुँचने में लगता है।

**आवर्तकी** स्त्री. (तत्.) विषाणिका नामक एक प्रकार की लता।

**आवर्त गति** स्त्री. (तत्.) भौ. गति जिसमें विस्थापन, वेग, त्वरण आदि परिवर्तित तो होते रहते हैं किंतु निश्चित अवधि के बाद इनके मान वे ही हो जाते हैं जो गति के प्रारंभ में थे।  
उदा. दोलन, कंपन। periodic motion

**आवर्त दशमलव** पुं. (तत्.) गणि. वह दशमलव जिसके अंतिम भाग की पुनरावृत्ति निरंतर अनंत तक होती है। आवर्ती भाग को उसके प्रथम तथा अंतिम अंक के ऊपर बिंदु लगा कर द्योतित किया जाता है। recurring decimal

**आवर्तन** पुं. (तत्.) 1. मंथन, आलोड़न 2. हिलाना, घुमाना 3. दोहराना 4. (धातु) गलाना, पिघलाना 5. रोगी के स्वस्थ हो जाने के उपरांत पुनः उसे वही रोग हो जाना 6. तीसरे पहर का समय।

**आवर्त नियम** पुं. (तत्.) रसा. मैन्डलीफ द्वारा प्रतिपादित नियम, जिसके अनुसार तत्वों के भौतिक और रासायनिक गुणधर्म उनके परमाणु भार के आवर्ती फलन होते हैं। periodic law

**आवर्तनी** स्त्री. (तत्.) 1. धातु गलाने की कुल्हिया, घड़िया 2. कलछा, चम्मच 3. दोहराने की क्रिया।

**आवर्तनीय** वि. (तत्.) 1. जिसका आवर्तन किया जा सके, घुमाने योग्य 2. मथने योग्य।

**आवर्त सारणी** स्त्री. (तत्.) रसा. तत्वों के निश्चित रासायनिक व्यवस्था की सारणी, एक वैज्ञानिक तालिका।

**आवर्तित** वि. (तत्.) 1. घुमाया हुआ, 2. मथा हुआ 3. बार-बार आया या किया हुआ।

**आवर्तिता** स्त्री. (तत्.) (निश्चित समय पर) बार-बार होने की स्थिति।

**आवर्ती** वि. (तत्.) 1. घूमनेवाला, चक्कर काटने वाला 2. (निश्चित समयावधि में) बार-बार होने वाला या किया जाने वाला प्रयो. मैंने बैंक में आवर्ती जमा खाता खोला है 3. पिघलनेवाला 4. घुलमिल जाने वाला ।

**आवर्धक** वि. (तत्.) आकार बढ़ा कर प्रदर्शित करने वाला, आकार विस्तृत दिखाने वाला।

**आवर्धन** पुं. (तत्.) 1. आकार विस्तृत करने का कार्य 2. शक्ति आदि बढ़ाने का कार्य।

**आवलि** स्त्री. (तत्.) 1. पंक्ति, श्रेणी, कतार 2. सिलसिला, शृंखला, परंपरा 3. आनुक्रमिकता।

**आवलित** वि. (तत्.) थोड़ा-सा मुड़ा हुआ।

**आवली** स्त्री. (तत्.) दे. आवलि।

**आवश्यक** वि. (तत्.) 1. जरूरी, लाजिमी, अवश्यभावी 2. सापेक्ष 3. प्रयोजनीय 4. काम का, जिसके बिना काम न चले।

**आवश्यकता** स्त्री. (तत्.) 1. जरूरत, अपेक्षा, माँग, दरकार, गरज 2. आवश्यक होने का भाव।

**आवश्यकिय** वि. (तत्.) 1. तुरंत किया जाने वाला/वाली तुरन्त उपयोग में आने वाला/वाली, आवश्यक, जरूरी।

**आवसति** स्त्री. (तत्.) 1. विश्राम, रात्रि का समय, आधी रात 2. रात में रहने के लिए विश्राम-स्थान।

**आवसथ** पुं. (तत्.) रहने का स्थान, बस्ती, घर, साधुओं का निवास, कुटिया, आश्रम।

**आवसरिक** वि. (तत्.) 1. कभी-कभी प्रकट होने वाला, जो समय अथवा नियम का पाबंद न हो 2. विशेष अवसर का कार्य अथवा आयोजन।

**आवसान** वि. (तत्.) 1. ग्राम की सीमा पर रहने वाला जैसे- चांडाल 2. छोर, किनारा।

**आवसानिक** वि. (तत्.) समाप्ति, खातमे का, अन्त का, अवसान काल का।

**आवसित** वि. (तत्.) 1. पूरा किया हुआ, पूर्ण, समाप्त 2. पूर्ण विकसित 3. निर्धारित, निश्चित 4. खेत से एकत्र पका हुआ धान्य।